नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698

NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 206
दि. 27.11.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संविधान दिवस:'नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य निभाएं', पीएम ने लिखा देशवासियों के नाम बेहद खास लेटर

(जीएनएस)।

संविधान दिवस के खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को एक भावनात्मक और प्रेरक संदेश भेजा है। अपने इस पत्र में उन्होंने न सिर्फ संविधान की ऐतिहासिक यात्रा को याद किया, बल्कि हर नागरिक को यह भी बताया कि भारत के भविष्य को मजबूत बनाने में कर्तव्य निभाना कितना महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने कहा कि आज का भारत उसी मजबूत नींव पर खड़ा है, जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निमार्ताओं ने अपनी मेहनत और दूरदर्शिता से तैयार किया था।

पीएम ने अपने अनुभव और देश की लोकतांत्रिक ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान ने साधारण से साधारण व्यक्ति को भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का अधिकार दिया है। यह संदेश ऐसे

समय आया है जब देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है और नागरिकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

1949 से आज तक संविधान ने दी दिशा

पीएम मोदी ने कहा कि 1949 में जब भारत का संविधान अपनाया गया, तभी से यह दस्तावेज देश को साफ दिशा और भरोसा देता आया है। उन्होंने याद दिलाया कि 2015 में उनकी सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की थी।

साधारण परिवार से देश की सेवा का मौका

प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान की ताकत से ही साधारण परिवार से आने वाले लोग भी देश की बागडोर संभाल सकते हैं। उन्होंने 2014 का वह पल याद किया जब पहली बार संसद में प्रवेश करते समय उन्होंने संसद की सीढ़ियों को नमन किया था। 2019 में दोबारा जीत के समय उन्होंने संविधान को माथे से लगाकर सम्मान दिया था।

पीएम मोदी ने संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ भीमराव आंबेडकर और महिलाओं सहित सभी सदस्यों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि इन सभी की मेहनत से भारत को इतना मजबूत संविधान मिला।

पीएम ने 2010 की 'संविधान गौरव यात्रा' का जिक्र किया, जिसमें गुजरात में संविधान की प्रति को हाथी पर रखकर यात्रा निकाली गई थी। उन्होंने बताया कि संविधान के 75 साल पूरे होने पर देशभर में कई कार्यक्रम और संसद का विशेष सत्र आयोजित हुआ था।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार का संविधान दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन दोनों महान नेताओं ने देश के लिए महत्वपूर्ण काम किए।

नागरिको के कर्तव्यों पर जोर

प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 51अ का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें बताए गए कर्तव्यों को हर नागरिक को गंभीरता से निभाना चाहिए। उन्होंने महात्मा गांधी के विचार को याद दिलाया कि जब कर्तव्य पूरे होते हैं, तभी अधिकार मिलते हैं।

2049 तक की यात्रा में जिम्मेदारी और बढ़ेगी

पीएम मोदी ने कहा कि इस सदी के 25 साल बीत चुके हैं और आने वाले दो दशको में भारत आजादी के 100 साल और संविधान के 100 साल पूरे करेगा। उन्होंने कहा कि आज लिए गए फैसले आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेंगे। इसलिए विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कर्तव्य को सबसे ऊपर रखना होगा।

पहली बार वोट करने वाले युवाओं के लिए खास कार्यक्रम का सुझाव

प्रधानमंत्री ने कहा कि वोट डालना सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज में 18 साल के होने वाले युवाओं के लिए छोटे समारोह आयोजित किए जाएं, ताकि उन्हें महसूस हो कि वे देश निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। अंत में पीएम मोदी ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लें और विकसित, मजबूत भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता : योगी

मुख्यमंत्री ने लोकभवन में संविधान की उद्देशिका का कराया सशपथ पाठन

विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए हर देशवासी पंचप्रणों के साथ जुड़ें

हर भारतवासी के घर में संविधान की प्रति होनी चाहिए

लखनऊ। संविधान दिवस के अवसर पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इसके पूर्व अतिथियों ने भारत माता व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस दौरान लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री योगी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 2015 से पूरा देश प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करता है।

चुनाव के उपरांत गठित संविधान सभा ने भारत के संविधान का निर्माण किया था। डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बनी संविधान सभा ने अलग-अलग कमेटियां बनाई थीं, उसकी ड्रॉफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। योगी ने कहा कि

संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन लगे। संविधान निर्माण में जिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने योगदान व विशेषज्ञों ने सहयोग किया, उसी का परिणाम है कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और भारत की अनेकता को एकता में जोड़ने वाला है। संविधान की मूल प्रति को लेकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की समिति जब संविधान सभा के पास गई थी तब भी उन्होंने कहा था कि संविधान एक दस्तावेज है, जो भारत की विविधता को एकता में जोड़ने में मार्गदर्शिका के रूप में देश को नेतृत्व प्रदान करेगी।

योगी ने कहा कि आज हर संस्था, पंचायत में ऐसे आयोजन करके संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का प्रयास हुआ है। 2015 में संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा था कि हममें से हर व्यक्ति स्वतंत्र भारत का नागरिक है, लेकिन स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है। क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है। अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता। जहां कर्तव्य के बिना अधिकार प्राप्त करने का प्रयास किया गया है, वहां पर लोकतंत्र नहीं है, बल्कि वहां तानाशाह, व्यवस्था को गिरफ्त में लेकर आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रौंदते दिखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भारत ने इसे सर्वोपरि मानकर सम्मान दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व प्रतीकों को सम्मान दिया और जिन मूल भावनाओं पर भारत का संविधान बना है, उसे जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया। जब कोई देश मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता। आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सामने विकसित भारत की संकल्पना रखी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रचंड जनसैलाब के अदम्य उत्साह के बीच 'सरदार@150 : राष्ट्रीय यूनिटी मार्च' का शुभारंभ कराया

करमसद से केवडिया तक 152 किलोमीटर लंबी पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, केन्द्रीय राज्य मंत्रियों श्रीमती अनुप्रिया पटेल एवं श्रीमती निमुबेन बांभणिया की विशेष उपस्थिति

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- **'सरदार पटेल@150 : यूनिटी मार्च' पदयात्रा राष्ट्रभक्ति का राजमार्ग प्रशस्त करेगी**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रेरित यह पदयात्रा सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि है**
- **प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण का महाकार्य हो रहा है**
- **यह राष्ट्रीय पदयात्रा सरदार साहब के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को जानकर राष्ट्र निर्माण में सहभागी होने के लिए स्वर्णिम अवसर है**
- **यह पदयात्रा कोई साधारण पदभ्रमण नहीं; बल्कि देश की एकता, अखडंता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक समान लौह पुरुष सरदार पटेल को समर्पित विशेष आयोजन है : त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा**

(जीएनएस)।

गांधीनगर,26 नवंबर :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सरदार साहब की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित करमसद से केवडिया तक की राष्ट्रीय पदयात्रा 'सरदार@150 : यूनिटी मार्च' को मंगलवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा ने फ्लैग ऑफ करके प्रस्थान कराया।

आणंद जिले के करमसद में प्रचंड जनसैलाब के अदम्य उत्साह तथा 'जय सरदार' के गगनभेदी नारों की गूंज के साथ यह राष्ट्रीय पदयात्रा आगामी 6 दिसंबर को सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा यानी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुँचेगी।

150 स्थायी पदयात्रियों के साथ आणंद के अलावा वडोदरा तथा नर्मदा जिलों से गुजरने वाली इस पदयात्रा का भव्य शुभारंभ कराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सरदार@150 : यूनिटी मार्च' पदयात्रा राष्ट्रभक्ति का राजमार्ग प्रशस्त करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रेरित यह पदयात्रा सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. बाबासाहब आंबेडकर तथा संविधान सभा के सभी सदस्यों को आदरपूर्वक नमन करते हुए कहा कि विश्व नेता तथा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रेरणास्रोत श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सरदार साहब की 150वीं जयंती भव्य रूप से मनाने का आयोजन हुआ है। इसी उपक्रम में जहाँ सरदार साहब का बचपन बीता था और जहाँ उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई थी, उस पवित्र भूमि करमसद से एकता के प्रतीक स्टैच्यू ऑफ यूनिटी-केवडिया तक यह यूनिटी मार्च आयोजित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लौह पुरुष सरदार पटेल को दी गई सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए कहा कि सरदार साहब की यह अभूतपूर्व प्रतिमा विश्वभर में भारत के सामर्थ्य एवं गौरव के इतिहास का जीवंत प्रतीक बनी है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरदार साहब ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में 562 देसी रजवाड़ों का विलय कर अखंड भारत का निर्माण किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरदार साहब के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार साहब द्वारा दिए गए राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य के साथ यह यूनिटी मार्च आयोजित हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पदयात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रमों से लोग सरदार साहब के जीवन मूल्यों को जानेंगे तथा राष्ट्रीय एकता का भाव अधिक सुदृढ़ होगा।

उन्होंने सरदार साहब के मूल्यों के आधार पर नए भारत के निर्माण का महाकार्य हो रहा होने का उल्लेख करते हुए जोड़ा कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था के प्रतीक राम मंदिर में श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से ध्वजारोहण के साथ मंदिर निर्माण कार्य संपन्न हुआ है। कुछ दिन पहले देश की श्रम शक्ति का सम्मान करने वालीं ऐतिहासिक चार श्रम संहिताएँ देश में लागू हुई हैं।

संविधान में आस्था रखकर आगे बढ़ रहा है विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज 75वें संविधान दिवस के अवसर पर

राजधानी रायपुर स्थित टाउन हॉल में आयोजित "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित जनसमूह के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संविधान दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अरुणाचल पर चीन के बेतुके दावे पर भारत की दो टूक, एमएई ने कहा- भारत का अखंड हिस्सा

(जीएनएस)।

भारत ने चीन को कड़ा संदेश देते हुए एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है, और चीन के सभी दावे पूरी तरह निराधार हैं। यह बयान विदेश मंत्रालय (टएअ) की ओर से उस समय आया जब चीन ने न केवल अरुणाचल पर अपना पुराना दावा दोहराया बल्कि शंघाई एयरपोर्ट पर एक भारतीय महिला यात्री के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार को भी खारिज कर दिया।

भारत ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए चीन से औपचारिक शिकायत की है और कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय यात्रा नियमों का उल्लंघन है। इस पूरे विवाद ने एक बार फिर भारत-चीन संबंधों में जारी तनाव को उजागर कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

प्रेमा वांगजॉम थोंगडोक, जो यूके

में रह रही एक भारतीय नागरिक हैं, 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं। उनका तीन घंटे का सफर लेओवर शंघाई एयरपोर्ट पर एक भयावह अनुभव में बदल गया। थोंगडोक के अनुसार, चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट को इस आधार पर "अमान्य" करार दिया कि उसमें जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश लिखा हुआ है। इस दौरान उन्हें घंटों रोके रखा गया, जिससे उनका पूरा यात्रा अनुभव तनावपूर्ण और परेशान करने वाला हो गया।

चीन का दावा: "कोई उत्पीड़न नहीं हुआ, अरुणाचल चीन का हिस्सा"

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने 25 नवंबर को एक बयान में कहा कि महिला के साथ कोई जबरदस्ती, हिरासत या उत्पीड़न नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि पूरी प्रक्रिया "नियमों और कानूनों के तहत" हुई और संबंधित महिला के अधिकारों का "पूर्ण संरक्षण" किया गया।

पश्चिम बंगाल में सीईओ ऑफिस में सुरक्षा चुक पर ईसीआई सख्त, कोलकाता पुलिस से मांगा जवाब

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच सुरक्षा को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। भारत निर्वाचन आयोग ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर राज्य में अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

आयोग ने 24 नवंबर 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) कार्यालय में हुई गंभीर सुरक्षा चूक को अत्यंत गंभीर माना है। जानिए क्या है पूरा मामला...

CEO कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को फटकार

ECI ने अपने पत्र में कहा है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में 24 नवंबर को हुई घटना ने यह साबित कर दिया कि वहां की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। आयोग के अनुसार, यह चूक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, अतिरिक्त उएड, संयुक्त उएड, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों सहित पूरे स्टाफ की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। आयोग ने कहा

कि इस घटना की व्यापक रिपोर्टिंग मीडिया में भी हुई है, जिससे यह मामला और गंभीर हो जाता है।

पुलिस को 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने के निर्देश भी दिया है।

चुनाव आयोग ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया है कि वे:

CEO कार्यालय में तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें

उनके आवास पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाएं

ऑफिस आते-जाते समय उनकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें

ECI ने पुलिस से कहा है कि वे सभी संभव कदम उठाएँ ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोबारा न हो।

चुनाव आयोग ने की 48 घंटे में रिपोर्ट की मांग

पश्चिम बंगाल में इन दिनों (SIR) की गतिविधियाँ चल रही हैं और आने वाले महीनों में चुनाव की तैयारियाँ भी तेज होंगी।

साइक्लोन सेनयाल हुआ ताकतवर, कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) के मुताबिक, मलक्का स्ट्रेट और बंगाल की खाड़ी में मलेशिया के पास बना लो-प्रेशर एरिया मंगलवार को डिप्रेशन में बदल गया। क्टऊने अनुमान लगाया है कि यह वेदर सिस्टम बुधवार दोपहर तक

साइक्लोनिक स्टॉर्म में बदल सकता है इसलिए तमिलनाडु, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और केरल में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पल-पल के अपडेट के लिए पेज को रीफ्रेश करते रहें।

साइक्लोन Senfyar नाम में जितना शक्तिशाली है, उतनी ही सावधानी की जरूरत भी है। बंगाल की खाड़ी से उठे इस तूफानी सिस्टम पर मौसम विभाग की निगरानी जारी है

पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 76वां संविधान दिवस

मुंबई, पश्चिम रेलवे पर राष्ट्र के 76वें संविधान दिवस का उत्साहपूर्वक आयोजन 26 नवंबर 2025 को किया गया। यह दिवस उस पावन अवसर की स्मृति में मनाया जाता है, जब भारत के संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया।

पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में 76वें संविधान दिवस समारोह में प्रस्तावना देते हुए।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मुख्यालय कार्यालय में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल स्तर पर संबंधित मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रस्तावना का वाचन कराया। मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवन राम अस्पताल में अस्पताल स्टाफ के आश्रितों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, रेलवे सेकेंडरी स्कूल, वलसाड द्वारा भी इस अवसर पर वाद-विवाद/प्रश्नोत्तरी तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद मण्डल पर 76 वां 'संविधान दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल में 26 नवम्बर 2025 को 76वां संविधान दिवस अत्यंत उत्साह, सम्मान और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर परअहमदबाद स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाशने मण्डल कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन कराया एवं संविधान की पालना की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना तथा संवैधानिक मूल्यों को पढ़ा गया हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।संविधान दिवस के उपलक्ष्य मेंसाइकिल रैली का सफल आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य भारत के संविधान के प्रति सम्मान प्रकट करना तथा नागरिकों को संविधान में निहित मूल्यों-न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता-से अवगत कराना था।प्रारम्भ में अधिकारियों द्वारा संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा सभी प्रतिभागियों को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन कराया गया।साइकिल रैली मेंप्रतिभागियों ने हिस्सा लिया,जिन्होंने निर्धारित मार्गमंडल रेल प्रबंधक कार्यालयसे मेहसाणा तकसाइकिल चलाते हुए संविधान जागरूकता से संबंधित संदेश प्रसारित किए। रैली के दौरान "संविधान हमारा गौरव", "हम सब का समान अधिकार" एवं "हमारे अधिकार-हमारी जिम्मेदारी" जैसे नारों के माध्यम से जनसामान्य को प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री विकास गढ़वालसहित सभी शाखा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इमरान खान की हो गई मौत? जेल में 'प्लान्ड मर्डर' का शक, क्या है सच्चाई?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में मौत की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई है, जिसमें उन्हें क्रक द्वारा जहर दिए जाने का गंभीर दावा किया गया। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक तौर पर इन खबरों को अफवाह बताकर खारिज कर दिया है और स्पष्ट किया है कि इमरान खान जेल में सुरक्षित हैं।

इन अफवाहों ने तब जोर पकड़ा जब उनकी तीन बहनों (अलीमा, उज़्मा और नौरीन खान) को कथित तौर पर तीन हफ्तों से उनसे नहीं मिलने दिया गया और उन्हें जेल के बाहर धरने के दौरान पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। परिवार और पार्टी (पीटीआई) ने लगातार मुलाकात न होने और उत्पीड़न के कारण उनकी हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

अफगानिस्तान टाइम्स की खबर से हत्या की खबर कैसे फैली

इमरान खान की हत्या की खबर सोशल मीडिया पर आग की तरह तब फैली जब मीडिया आउटलेट अफगानिस्तान टाइम्स ने "सूत्रों के हवाले" से उनके मरने की खबर प्रसारित की। इस अत्यंत संवेदनशील खबर के प्रसारित होते ही पाकिस्तान में राजनीतिक तनाव बढ़ गया। अफवाहों को और बल मिला क्योंकि पाकिस्तान की सरकार ने तत्काल कोई आधिकारिक खंडन जारी नहीं किया।

इसके अतिरिक्त, जेल प्रशासन ने भी इस मामले पर चुप्पी साधे रखी, जिससे जनता और समर्थकों के बीच भ्रम और डर पैदा हो गया। इस दौरान इमरान खान की बहनों और पार्टी कार्यकताओं को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा था, और उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। सरकार और जेल प्रशासन की इस लंबी चुप्पी ने हत्या की आशंकाओं को गहरा कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और यह खबर सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गई।

2023 में गिरफ्तार हुए थे इमरान खान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को साल 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और तब से वह अपनी पत्नी बुशरा बीबी के साथ रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। हाल ही में, खान ने जेल के भीतर अपनी हत्या किए जाने की गंभीर आशंका जाहिर की थी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि जेल में उनके साथ कोई अनहोनी होती है, तो इसके लिए सेना प्रमुख आसिम मुनीर पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। यह बयान पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना और पूर्व प्रधानमंत्री के बीच चल रहे गहरे राजनीतिक टकराव को दशार्ता है, जिसने उनकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भारी चिंता पैदा कर दी है।

'घंटेभर की कीमत क्या है?' फेमस एक्ट्रेस को किए गंदे मैसेज, 'नीली साड़ी वाली' का रातोंरात हुआ ऐसा हाल

(जीएनएस)।

एक्ट्रेस गिरिजा ओक पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर अचानक वायरल हुए वीडियो ने उन्हें रातोंरात नेशनल क्रश का टैग दिलाया, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई। इस तेजी से आई पॉपुलैरिटी ने गिरिजा ओक जितनी खुशी दी, उतनी ही परेशानियां भी। खुद गिरिजा ने इसका डार्क साइड इंटरव्यू में सामने रखा है।

गिरिजा ओक को मिला है 'नेशनल क्रश' का टैग

गिरिजा ओक ने हाल ही में द लल्लनटॉप से बातचीत की। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर उनकी कुछ बोल्ड तस्वीरें वायरल हुई थीं, जिसके बाद यूजर्स ने उन्हें इंडिया की 'सिडनी स्वीनी' कहना शुरू कर दिया था और 'नेशनल क्रश' का टैग दे दिया था।

इंटरनेट ने गिरिजा ओक का किया ऐसा हाल

जब गिरिजा ओक से पूछा गया था कि इस वायरल फेम के बाद उनके जीवन में क्या बदला तो उन्होंने साफ कहा था- कुछ खास नहीं। उन्होंने बताया कि मशहूर होने के बावजूद अभी भी उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर कम ही मिल रहे हैं।

एक्ट्रेस को लेग कर रहे हैं भद्दे मैसेजेस

-गिरिजा ओक ने बताया कि अचानक मिली पॉपुलैरिटी के साथ उन्हें अप्रिय अनुभव भी होने लगे हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उन्हें भद्दे और आउट ऑफ लाइन मैसेजेस भेजे हैं।

-एक्ट्रेस ने बताया- एक यूजर ने मैसेज किया है- मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूं, बस एक मौका दीजिए। किसी ने तो हद पार करते हुए उनसे उनका रेट तक पूछ लिया है और कहा है- एक घंटे बैठने की कीमत क्या है?

-गिरिजा ओके के मुताबिक ऐसे लोग अगर असल जिंदगी में सामने आ जाएं तो शायद नजरें भी न मिला पाएं लेकिन स्क्रीन के पीछे कुछ भी लिखने से नहीं डरते।

गिरिजा ओक का फिल्मी सफर

जानकारी के अनुसार गिरिजा ओक ने मराठी सिनेमा से अपने करियर की शुरूआत की थी और टीनएज में ही पहला फिल्म प्रोजेक्ट किया था। हिंदी फिल्मों में उन्होंने सपोर्टिंग रोल्स से पहचान बनाई है। गिरिजा ओक ने 'तारे जमीन पर' और 'शोर इन द सिटी' जैसी फिल्मों में काम किया है। मराठी इंडस्ट्री में वह एक स्थापित और लोकप्रिय अभिनेत्री हैं।

पॉपुलर फेस हैं गिरिजा ओक

बड़े पर्दे के साथ-साथ गिरिजा ओक OTT की भी फेमस एक्ट्रेस हैं। वह टीवी शो 'लेडीज स्पेशल' में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने वेब सीरीज 'मॉडर्न लवः मुंबई' और 'इंस्पेक्टर जेंडे' में भी काम किया था। वह बॉलीवुड के दमदार एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। जल्द ही वह गुलशन देवैया के साथ 'परफेक्ट फैमिली' में दिखाई देंगी।

अगले सप्ताह कब-कबा बैंक रहेंगे बंद? घर से निकलने से पहले जरूर देख लें ये लिस्ट

(जीएनएस)।

दिसंबर की हल्की ठंड और साल के आखिरी महीनों की भागदौड़ के साथ बैंकिंग कामकाज पर भी खास असर पड़ने वाला है। महीने की शुरूआत में ही लोग आम तौर पर अपने जरूरी काम-जैसे चेक क्लियर कराना, खाता अपडेट कराना, या लोन से जुड़े दस्तावेज पूरे करना निपटाना पसंद करते हैं। लेकिन इस बार 30 नवंबर से 6 दिसंबर के बीच बैंकिंग शेड्यूल में कुछ ऐसे बदलाव हैं जिन्हें नजरअंदाज करना आपके काम को रुकवा सकता है।

कई राज्यों में साप्ताहिक अवकाश तो रहेगा ही, साथ ही एक राज्य में खास क्षेत्रीय त्योहार के चलते बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में अगर आप भी किसी जरूरी बैंकिंग काम की सोच रहे हैं, तो पहले यह जान लेना काफी मददगार होगा कि किस दिन कौन सा काम बिना रुकावट हो सकता है और किन दिनों में शाखाएं बंद रहेंगी। सही प्लानिंग आपका समय भी बचाएगी और परेशानी से भी दूर रखेगी।

तीन दिन बैंकिंग कामकाज पर असर

अगले हफ्ते के दौरान बैंक पूरे देश में तीन बार बंद रहेंगे। इनमें से दो दिन रविवार हैं, जबकि शनिवार सामान्य कार्यदिवस रहेगा।

रविवार, 30 नवंबर 2025

यह सप्ताह का आखिरी दिन है और इस दिन पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

नेफेड के पैविलियन में दिखा नवाचार और देसी स्वाद का मेल, किसान समूहों को मिला बड़ा मंच

(जीएनएस)।

भारत मंडपम में चल रहा इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (IITF) 2025 इस बार पूरी तरह से नवाचार, तकनीक और भारतीय उत्पादों की खुशबू से भरा हुआ है। भीड़ के बीच एक ऐसा पैविलियन है, जहां लोग बार-बार रुककर तस्वीरें ले रहे हैं, स्वाद चख रहे हैं और गांवों के असली स्वाद से जुड़ रहे हैं-यह पैविलियन है नेफेड का।

नेफेड न सिर्फ अपने विविध उत्पादों का प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि किसानों को बड़े बाजारों से जोड़ने की अपनी पूरी यात्रा आगंतुकों के सामने रख रहा है। खास बात यह है कि इस बार नेफेड समर्थित ऋढ्ठ२ भी पहली बार बड़े मंच पर अपने क्षेत्रीय उत्पाद लेकर आए हैं। चाय की खुशबू से लेकर केसर की चमक तक, यह पैविलियन लोगों को हर मोड़ पर नया अनुभव दे रहा है।

FPOs ने दिखाए अपने क्षेत्रीय उत्पाद

इस बार मेले का सबसे बड़ा आकर्षण नेफेड से जुड़े किसान उत्पादक संगठन (FPOs) हैं। इन संगठनों ने नेफेड के पैविलियन में अलग-अलग स्टॉल लगाए हैं, जहां शहद, सूखे मेवे, केसर, मिलेट से बने खाद्य पदार्थ, अचार और कई तरह के स्थानीय उत्पाद लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। FPOs की भागीदारी यह दिखाती है कि नेफेड किस तरह किसानों को बड़े बाजारों से जोड़कर उनके काम को आगे बढ़ा रहा है।

नेफेड के ब्रांडेड प्रोडक्ट भी रहे चर्चा में

नेफेड के अपने ब्रांड वाले उत्पादों का बड़ा प्रदर्शन भी आगंतुकों को खूब पसंद आ रहा है। दालें, मसाले, ड्राई फ्रूट्स, चावल से लेकर रेडी-टू-कुक और रेडी-टू-ईट आइटम तक-लोग हर सेक्शन में रुचि दिखा रहे हैं। इसके साथ ही नेफेड के निर्यात उत्पाद जैसे फ्रोजन फूड्स, पीनट बटर, प्रोटीन बार और नमकीन भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं।

टी काउंटर बना लोगों का पसंदीदा कॉर्नर

पैविलियन में लगा लाइव टी काउंटर आगंतुकों का सबसे पसंदीदा स्पॉट बन गया है। यहां लोग ताजा चाय पीते हुए नेफेड की पूरी उत्पाद श्रृंखला के बारे में जानकारी ले रहे हैं। यह छोटा सा इंटरैक्टिव कॉर्नर मेले के माहौल को और भी आकर्षक बना रहा है।

नई टेक पहलः NAFEX.in पोर्टल की झलक

इस साल नेफेड ने अपने नए ऑक्शन पोर्टल NAFEX.in को भी प्रदर्शित किया है। यह पोर्टल किसानों और व्यापारियों के लिए कृषि जिंस कारोबार को पारदर्शी और आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

MD दीपक अग्रवाल का दौरा, टीम का बढ़ा हौसला

नेफेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल (IAS) ने भी पैविलियन का दौरा किया। उन्होंने FPO प्रतिनिधियों, स्टाफ और आगंतुकों से बातचीत की। उनके प्रोत्साहन ने टीमों का मनोबल बढ़ाया और नेफेड के नवाचार आधारित काम को और मजबूत संदेश दिया।

मेले में आगंतुकों की खुलकर सराहना

IITF 2025 में आने वाले लोगों ने नेफेड के उत्पादों, FPO स्टॉलों और संपूर्ण डिस्प्ले की जमकर तारीफ की है।

अपने विविध उत्पादों और किसानों को दिए जा रहे अवसरों के कारण नेफेड का पैविलियन इस बार मेले के खास आकर्षणों में शामिल हो गया है।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 76वां संविधान दिवस समारोह आयोजित

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बुधवार को '76वां संविधान दिवस - हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधि अध्ययन संकाय ने किया, जिसमें माननीय न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी, लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन प्रो. बंसीधर सिंह, अधिवक्ता मनंजय कुमार मिश्रा तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस वर्ष समारोह का विषय था— 'साइबर फॉरेंसिक्स और संविधानः प्राइवेसी, निगरानी और डिजिटल अधिकार'।

समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। कुलपति प्रो. तनेजा ने विशिष्ट अतिथियों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए आधुनिक डिजिटल समाज में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को संविधान दिवस की शपथ भी दिलाई।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी ने 2017 में निजता को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने का उल्लेख करते हुए डिजिटल युग में प्राइवेसी संरक्षण की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। आयुषी तलवार और शीना बोरा जैसे मामलों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल फॉरेंसिक्स कई बार सत्य के उन पहलुओं को सामने लाता है जिन्हें पारंपरिक जांच पद्धतियाँ उजागर नहीं कर पातीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस की जांच में निगरानी का उपयोग आवश्यक हो सकता है, लेकिन इसे नागरिकों पर सामूहिक निगरानी में नहीं बदला जा सकता। डिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता के लिए धारा 65इ प्रमाणन को उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

अतिथि सम्मान प्रो. बंसीधर सिंह ने निजता की अवधारणा के वैश्विक इतिहास पर प्रकाश डाला और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सिद्धांतों से भारत के साइबर कानून के विकास को जोड़कर समझाया।

विशेष अतिथि अधिवक्ता मनंजय कुमार मिश्रा ने निजता के विचार को मनुस्मृति जैसे प्राचीन ग्रंथों से जोड़ते हुए बताया कि कैसे पुट्टस्वामी निर्णय ने इसे स्वतंत्र एवं व्यापक मौलिक अधिकार का दर्जा प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान विभाग में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. श्वेता त्रिवेदी द्वारा सम्मानित किया गया।

समारोह का समापन विभागाध्यक्ष डॉ. पियूष कुमार त्रिवेदी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, आयोजकों और विद्यार्थियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के आयोजक आशीष शाही, डॉ. कृष्णा मुकुंद और तान्या सागर थे, जबकि अमन कुमार त्रिपाठी ने समन्वय की जिम्मेदारी निभाई।

संविधान दिवस पर विधि अध्ययन संकाय के डीन प्रो. मसूद आलम ने वीडियो संदेश के माध्यम से छात्रों से जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की।

क्यों किया कमला पसंद का मालिक की बहू ने सुसाइड ? क्या है कानपुर से कनेक्शन?

(जीएनएस)।

कमला पसंद और राजश्री पान मसाला के मालिक कमल किशोर की पुत्रवधू दीप्ति चौरसिया की आत्महत्या ने बहुत सारे सवाल खड़े कर दिए हैं। 14 साल के बेटे की मां दीप्ति चौरसिया की बॉडी चुनरी से लटकी हुई पाई गई, पुलिस से शव के पास से एक डायरी मिली है जिसमें उन्होंने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है लेकिन उन्होंने प्यार और भरोसा तोड़ने की बात लिखी है।

अपने नोट में उन्होंने लिखा है कि 'अगर किसी पर प्यार और भरोसा ना हो तो ऐसे रिश्ते का क्या मतलब रह जाता है।' जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वो दीप्ति किसी भयंकर मानसिक दर्द से गुजर रही थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीप्ति की साल 2010 में कमल किशोर के बेटे हरप्रीत चौरसिया से शादी हुई थी लेकिन हरप्रीत ने दो शादी की हुई है।

दूसरी पत्नी, दक्षिण भारत के फिल्मों की अभिनेत्री बताई जा रही है, जिसके कारण दीप्ति ने ये खौफनाक कदम उठाया, हालांकि इस बारे में दोनों के परिवार वालों ने कोई बयान नहीं दिया है। आपको बता दें कि कमला पसंद पान मसाला देश के लोकप्रिय ब्रांड में से एक है और इसका प्रचार की फिल्मी सितारे करते हैं।

'दीप्ति को किसी ने उकसाया, परिजनों का आरोप'

उनके परिजनों का कहना है कि 'वो ऐसा कदम नहीं उठा सकती है, उसे किसी ने उकसाया है' जबकि कमला पसंद के मालिक के फैमिली एडवोकेट राजेंद्र सिंह ने कहा कि 'जो कुछ भी हुआ वह बहुत बुरा हुआ। दोनों परिवारों ने तय किया है कि आज एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा क्योंकि हम उन्हें पूरा सम्मान देना चाहते हैं। यह दोनों परिवारों के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।'

'सुसाइड नोट में कोई आरोप नहीं है'

मीडिया में जो भी बताया जा रहा है वह पूरी तरह से झूठ है। सुसाइड नोट में कोई आरोप नहीं है। उन्होंने इसके लिए किसी का नाम नहीं लिया है। हमें नहीं पता कि सुसाइड का कारण क्या है। हम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं।'

कानपुर शहर के फीलखाना के रहने वाले है कमल किशोर

अठक के मुताबिक दीप्ति चौरसिया (40) की कल शाम कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। उनकी बॉडी लटकी हुई मिली। डॉक्टरों का एक पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा। उनकी बॉडी कल रात सफदरजंग हॉस्पिटल लाई गई थी। आपको बता दें कि भारत के टॉप ब्रांड पान मसाला कमला पसंद और राजश्री कंपनी के मालिक कमल किशोर चौरसिया यूपी के कानपुर शहर के फीलखाना के रहने वाले हैं।

'सड़क किनारे गुमटी में पान मसाला बेचते थे'

उनकी पान मसाला कंपनी भी यहीं पर स्थित है और यहीं से पूरे देश में सप्लाई की जाती हैं। आज ये कंपनी अरबों की कमाई करती है लेकिन कभी वो सड़क किनारे गुमटी में पान मसाला बेचते थे। इस कंपनी के मालिक कमला कांत चौरसिया और कमल किशोर चौरसिया है, वैसे तो ये कंपनी कई प्रोडक्टस बनाती है लेकिन मुख्य रूप से इसका उत्पाद पान मसाला ही है।

पान मासला कंपनी के मालिक की नेटवर्थ कितनी?

इसका स्पष्ट डेटा को किसी के पास नहीं लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आज ये कंपनी हजारों करोड़ों की कमाई करती है। कुछ दिनों पहले कंपनी पर 147 करोड़ रुपए की एक्साइज ड्यूटी चोरी का आरोप भी लगा था।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

कट्टरपंथ के लिए एक असरदार ज़रिया बना ऑनलाइन का चलन

हाल के सालों में, इंटरनेट दोधारी तलवार बन गया हैः यह शिक्षा, सामाजिक जुड़ाव और लोगों से जुड़ने का एक ज़रिया है, लेकिन कट्टरपंथ के लिए एक असरदार ज़रिया भी है। भारत अपनी बड़ी, युवा और तेज़ी से जुड़ती आबादी के साथ ऑनलाइन भता और लोगों को भड़काने की कोशिशों के लिए खास तौर पर कमज़ोर है। जबकि कट्टरपंथ पैलाने वाला वंटेंट किसी एक विचारधारा तक सीमित नहीं है, ऐसे नेटवर्व का बढ़ना जो लोगों को भता करने और जुटाने के लिए धरमिक पहचान का फ ायदा उठाते हैं, इसके लिए एक सोची-समझी प्रतिाया की ज़रूरत है जिसमें साइबर सिक्योरिटी, कम्युनिटी तक पहुंच, कानूनी सुरक्षा और प्लेटफ ॉर्म की जवाबदेही का मिश्रण हो। कट्टरपंथी तत्व इंटरनेट के कई फ ीचर्स का फ ायदा उठाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म, एन्क्रिप्टेड मैसेजिग ऐप, इमेज और वीडियो-शेयरिग स्रविस, और क्लोज्ड-ग्रुप फ ोरम इन लोगों को प्रोपेगैंडा पैलाने, धर्मग्रंथों की चुनिदा व्याख्याओं को पैलाने, टेस्टीमोनियल और शिकायतें शेयर करने, और ऐसे इको चैंबर बनाने की इजाज़त देते हैं जो कट्टरपंथ को नॉर्मल बनाते हैं। जुड़ाव को प्राथमिकता देने वाले एल्गोरिदम ध्रुवीकरण करने वाले वंटेंट को बढ़ा सकते हैं; माइव्रो-टारगेटिग से रिव्रूटर कमज़ोर लोगों की पहचान कर उन्हें तैयार कर पाते हैं, जो अक्सर युवा होते हैं और सोशल आइसोलेशन, आर्थिक तनाव या पहचान के संकट का सामना कर रहे होते हैं। ण्ध्ज्ञ्घ् के समय में ज़्यादा ऑनलाइनज़िदगी ने इन प्रोसेस को और तेज़ कर दिया, जिससे डिजिटल स्पेस भता का मुख्य ज़रिया बन गए। भारत का बड़ा युवा डेमोग्राफिक, स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच और कई भाषाओं वाले ऑनलाइन इकोसिस्टम, लोकल और ट्रांसनेशनल दोनों तरह की बातों के लिए अच्छी ज़मीन तैयार करते हैं। डायस्पोरा नेटवर्व, कई भाषाओं में व्रॉस-बॉर्डर वंटेंट और छोटे, प्राइवेट चैट ग्रुप की बढ़ोतरी मॉनिटरिग को मुश्किल बनाती है। साथ ही, असली या महसूस की गई सामाजिक और आर्थिक शिकायतों का फ ायदा ऐसे लोग उठा सकते हैं जो अपनेपन या मकसद का वादा करते हैं। टेक्नोलॉजी के पैमाने और सामाजिक जटिलता के इस मिक्सचर का मतलब है कि दखल सटीक, सही और अधिकारों का सम्मान करने वाला होना चाहिए। साइबर सिक्योरिटी को अक्सर डेटा की सुरक्षा या हैक को रोकने के तौर पर देखा जाता है। लेकिन, ऑनलाइन कट्टरपंथ का मुकाबला करने के मामले में, साइबर सिक्योरिटी को ऐसी बड़ी क्षमताओं के तौर पर फिर से सोचना होगा जो नुकसान कम करें और नागरिक आज़ादी को बनाए रखेंः 1. पता लगाना और खतरे की निगरानीः सरकार, सिविल सोसाइटी और ऑनलाइन प्लेटफ ॉर्म के अंदर सिक्योरिटी टीमों को बड़े पैमाने पर कट्टरपंथ पैलाने वाले वंटेंट की पहचान करने के लिए ऑटोमेटेड डिटेक्शन और ्रूमन रिव्यू का कॉम्बिनेशन इस्तेमाल करना चाहिए। मशीन टूल्स पैटर्न (शेयर किए गए ळथ्, बार-बार बताई जाने वाली बातें, नेटवर्व ग्रोथ में तेज़ी) को फ़्लैग कर सकते हैं, लेकिन उन्हें गलत पॉज़िटिव नतीजों से बचने और बोलने की आज़ादी का सम्मान करने के लिए ट्यून किया जाना चाहिए। 2. प्लेटफ ॉर्म सुरक्षा और वंटेंट मॉडरेशनः टेक प्लेटफ ॉर्म को ट्रांसपेरेंट कम्युनिटी गाइडलाइन लागू करनी चाहिए, अपील के साफ तरीके देने चाहिए, और लोकल भाषा में मॉडरेशन में इन्वेस्ट करना चाहिए। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए, सिर्प़ अंग्रेज़ी पर निर्भर मॉडरेशन काफ ी नहीं है। यहाँ साइबर सिक्योरिटी में ऑपरेशनल पॉलिसी, रीजनल ट्रस्ट-एंड-सेफ़्टी टीमें, और साफ तौर पर हिसक या आतंकवादी वंटेंट के लिए तेज़ी से हटाने के तरीके शामिल हैं। 3. भता नेटवर्व में रुकावट डालनाः कानून और मानवाधिकार नियमों से बंधे साइबर सिक्योरिटी ऑपरेशन, असहमति को अपराध मानने के बजाय कोऑर्डिनेटेड नेटवर्व में रुकावट डालने पर फ ोकस कर सकते हैं। इसमें बॉट फार्म को ट्रेस करना, नकली एम्प्लीफिकेशन नेटवर्व का पदार्फाश करना और रिूटर हब को मैप करने के लिए डिजिटल फोरेंसिक का इस्तेमाल करना शामिल हो सकता है।

नेतन्याहू का भारत दौरा क्यों हुआ स्थगित? दिल्ली आतंकी हमला या कोई बड़ा राज, इजराइल ने क्या कहा?

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रस्तावित भारत दौरे के स्थगित होने से उपजी तमाम अटकलों पर अब विराम लग गया है। कुछ खबरों में दावा किया गया था कि सुरक्षा कारणों से यह यात्रा टाली गई, जिसे इजराइल ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। नेतन्याहू ने स्वयं भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है और बताया कि दोनों देश नई तारीखों पर समन्वय कर रहे हैं।

इजरायली पीएमओ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके भारत के साथ मजबूत रिश्तों और पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया। यह इस साल तीसरी बार है जब नेतन्याहू का भारत दौरा स्थगित हुआ है, वे आखिरी बार 2018 में भारत आए थे।

सुरक्षा चिंताओं के दावों का खंडन

नेतन्याहू के भारत दौरे के स्थगित होने के बाद इजरायली मीडिया के एक धड़े ने यह दावा किया था कि नई दिल्ली के लाल किले के पास हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण यात्रा टाली गई है।

हालांकि, इजरायल ने मंगलवार 25 नवंबर, 2025) को इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने खुद कहा कि उन्हें भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उनके कार्यालय ने '' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में दोहराया कि भारत और इजरायल के बीच संबंध, विशेषकर नेतन्याहू और मोदी के बीच, बहुत मजबूत हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा पर पूरा भरोसा है। पोस्ट में कहा गया कि दोनों देशों की टीमें पहले से ही यात्रा की नई तारीखों पर समन्वय कर रही हैं। यह बयान उन अटकलों को शांत करने के उद्देश्य से था जो सुरक्षा चिंताओं को लेकर फैल रही थीं। यह दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक विश्वास और व्यक्तिगत तौर पर दोनों प्रधानमंत्रियों के मजबूत संबंधों को भी दशार्ता है, जो किसी भी बाहरी कारण से प्रभावित नहीं होगा।

तीसरी बार स्थगित हुआ दौरा

यह इस साल 2025 सरी बार है जब बेंजामिन नेतन्याहू का भारत का प्रस्तावित दौरा स्थगित हुआ है। हालांकि, प्रत्येक बार स्थगित होने के पीछे अलग-अलग कारण बताए गए हैं, और इजराइल ने नवीनतम स्थगन के लिए सुरक्षा को वजह नहीं बताया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नेतन्याहू साल के अंत में भारत आने की योजना बना रहे थे। वे आखिरी बार 2018 में भारत आए थे, जब उन्होंने 14 से 19 जनवरी तक छह दिनों की आधिकारिक यात्रा की थी। यह उनका भारत का दूसरा दौरा था। बार-बार स्थगन के बावजूद, दोनों देश पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों पर काम कर रहे हैं।

मीडिया अटकलें और भ्रामक खबरें

इजरायली मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा नेतन्याहू के दौरे को सुरक्षा चिंताओं से जोड़ने वाली खबरें महज अटकलबाजी पर आधारित थीं और उन्हें भ्रामक बताया गया है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ऐसी खबरें निराधार हैं। उनका कहना था कि दोनों देशों के बीच परस्पर सुविधाजनक तारीखों को अंतिम रूप देने के प्रयास लगातार जारी हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों देशों के बीच कोई सुरक्षा संबंधी दरार नहीं है, बल्कि यह केवल लॉजिस्टिकल और शेड्यूलिंग से संबंधित एक मुद्दा है, जिस पर अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं।

महिलाओं को नए लेबर कोड में क्या मिला? वेतन से लेकर नाइट शिफ्ट नियमों की डिटेल देखें यहां

(जीएनएस)।

देश में 21 नवंबर 2025 से चार नए लेबर कोड लागू हो गए हैं। इस नए कोड के साथ ही 29 पुराने श्रम कानूनों को खत्म कर दिया गया है। नए कानूनों में महिलाओं के लिए खास प्रावधान जोड़े गए हैं। सरकार का कहना है कि यह बदलाव कर्मचारियों को समय पर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, बेहतर सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी, समान अवसर और स्पष्ट अधिकार देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

नए लेबर कानूनों में महिलाओं के लिए कई प्रावधान जोड़े गए हैं। समान वेतनमान से लेकर नाइट शिफ्ट समेत दूसरे मोर्चों पर महिलाओं को समान भागीदारी मिल सके, इसकी कोशिश की गई है। महिलाओं के लिए कई सुधार किए गए हैं, जिसमें फैमिली की परिभाषा को भी विस्तार दिया गया है।

इन नए नियमों का फायदा स्थायी कर्मचारियों से लेकर कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ, गिग वर्कर्स, मीडिया कर्मियों और एमएसएमई सेक्टर के कर्मचारियों तक सभी को मिलेगा। इसी कड़ी में महिलाओं से जुड़े प्रावधान सबसे अधिक चर्चा में हैं, क्योंकि नई व्यवस्था में उनके लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।

नए लेबर कोड को लेकर मजदूर संगठन क्यों कर रहे हैं विरोध, इस पर संविधान क्या कहता है

- नए लेबर कोड्स महिलाओं को कार्यस्थल पर समान अधिकार, बेहतर सुरक्षा और अधिक अवसर देने पर विशेष रूप से केंद्रित हैं।

- पहले कई उद्योगों में महिलाओं के काम करने पर कुछ पाबंदियां भी लागू थी। अब नियमों को वक्त की जरूरत के मुताबिक बदलाव किया गया है।

- समान अधिकार और नो-डिस्क्रिमिनेशन का प्रावधानः अब किसी भी महिला कर्मचारी के साथ वेतन, भर्ती प्रक्रिया, प्रमोशन या काम के असाइनमेंट में जेंडर के आधार पर भेदभाव करना पूरी तरह अवैध है। कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पुरुषों और महिलाओं के बीच किसी भी प्रकार की असमानता न हो।

- नाइट शिफ्ट में काम करने की स्वतंत्रताः पहले कई सेक्टर में महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति नहीं थी। नए कोड के तहत महिलाएं अपनी सहमति से नाइट शिफ्ट में काम कर सकती हैं। कंपनी को उनके लिए सुरक्षित परिवहन, सुरक्षा गार्ड और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी।

- खतरनाक उद्योगों में रोजगार के अवसरः अब महिलाएं अपनी मर्जी और स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों के तहत अंडरग्राउंड माइनिंग, फैक्टरी ऑपरेशन्स और हैवी मशीनरी चलाने जैसे कार्य भी कर सकती हैं। पहले यह कई क्षेत्रों में प्रतिबंधित था। यह बदलाव महिलाओं के करियर विकल्पों का दायरा काफी बढ़ा देता है।

- शिकायत निवारण तंत्र और सुरक्षाः हर कंपनी और संस्थान को महिला सदस्यों वाली शिकायत समिति बनानी होगी। यह समिति कार्यस्थल पर उत्पीड़न, भेदभाव और सुरक्षा से जुड़े मामलों को देखेगी। इससे महिलाओं के लिए सुरक्षित और समर्थ वातावरण तैयार होगा।

- फैमिली की नई परिभाषाः नए नियमों में परिवार की परिभाषा बढ़ाकर उसमें ससुर और सास को भी शामिल किया गया है। इसका असर मातृत्व लाभ, बीमा, लीव और अन्य सुविधाओं पर पड़ेगा, जिससे महिला कर्मचारियों को अधिक सहायता और लचीलापन मिलेगा।

टेस्ट के तूफान में उड़ी टीम इंडिया, भीषण हार में बने कई शर्मनाक रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

गुवाहाटी के बरसापाड़ा स्टेडियम में कुछ ऐसा देखने को मिला है, जो पहले कभी नहीं हुआ था। इस स्टेडियम के पहले ही टेस्ट मैच में भारत को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऋषभ पंत की कप्तानी में भारतीय टीम को 93 सालों की सबसे बड़ी टेस्ट हार मिली है।

घरेलू सरजमीं पर पराजय होना और ज्यादा शर्मनाक है। टीम इंडिया को क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है और चारों तरफ कोच के खिलाफ आवाज उठ रही है। इस मुकाबले में कई कीर्तिमान बने हैं। कुछ प्रमुख शर्मनाक आंकड़ों के बारे में जरूर जानना चाहिए। इस मैच के आंकड़े कुछ ऐसे हैं, जो टीम इंडिया के लिए अच्छे नहीं हैं, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदर्शन कितना बेकार था।

भारत की घरेलू सीरीज में कोई शतकीय पारी नहीं आई

बनाम न्यूजीलैंड, 1969/70

बनाम न्यूजीलैंड, 1995/96

बनाम साउथ अफ्रीका, 2025/26

भारत के बल्लेबाजों का औसत इन दो मैचों में

15.23, जो किसी भी टेस्ट सीरीज में उनका दूसरा सबसे कम औसत है

सबसे कम औसत 12.42, 2002/03 न्यूजीलैंड दौरे में था

भारत को घर में मिले टेस्ट क्लीन स्वीप

0-2 बनाम साउथ अफ्रीका, 2000

0-3 बनाम न्यूजीलैंड, 2024

0-2 बनाम साउथ अफ्रीका, 2025

भारत की सबसे बड़ी टेस्ट हार (रनों से)

408 रन बनाम साउथ अफ्रीका, गुवाहाटी, 2025

342 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, नागपुर, 2004

341 रन बनाम पाकिस्तान, कराची, 2006

337 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, मेलबर्न, 2007

333 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, पुणे, 2017

329 रन बनाम साउथ अफ्रीका, कोलकाता, 1996

दो साल में भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज हार

2024: 0-3 बनाम न्यूजीलैंड

2025: 0-2 बनाम साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका की उपलब्धि

गुवाहाटी की जीत उनके इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत (रनों से) है, 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 492 रन की जीत के बाद

भारत में यह साउथ अफ्रीका की दूसरी टेस्ट सीरीज जीत है (पहलीः 0-2, 2000, हंसी क्रोन्जे की कप्तानी में)

पिछली बार भारत ने लगातार दो साल में दो घरेलू टेस्ट सीरीज हारी थी, पहली हार वेस्टइंडीज (1983) और दूसरी हार इंग्लैंड (1984/85) के खिलाफ आई थी।

कपिल शर्मा की फिल्म का ट्रेलर रिलीज, हंसी रोकना होगा मुश्किल

(जीएनएस)।

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' का ऑफिशियल ट्रेलर आज यानी 26 नवंबर 2025 को रिलीज कर दिया गया है, जिसे फैंस से बेहद शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर रिलीज

खबर है कि कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' आगामी 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर देखकर साफ है कि कपिल शर्मा इस बार अपनी सिग्नेचर कॉमेडी और दिलचस्प ट्विस्ट के साथ दर्शकों को फिर पेट पकड़कर हंसाने वाले हैं।

कैसा है फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का ट्रेलर?

-ट्रेलर की शुरूआत होती है कपिल शर्मा के किरदार से, जो एक लड़की से प्यार करते हैं और शादी करने के लिए तीन बार धर्म बदलते हैं लेकिन किस्मत हर बार उनके साथ एक बड़ा खेल खेलती है क्योंकि तीनों ही बार उनकी शादी किसी और लड़की से हो जाती है।

-कहानी यहीं खत्म नहीं होती। कपिल शर्मा की तीनों पत्नियां एक ही बिल्डिंग में अलग-अलग फ्लोर पर रहती हैं और अब वह चौथी शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। इसी दौरान उनकी लाइफ में एंट्री करती हैं और नई परेशानियां, नए झमेले और नई हंसी-मजाक वाली स्थितियां।

कपिल शर्मा में सोशल मीडिया पर लिखी ऐसी बात

फिल्म में कपिल शर्मा के पीछे पुलिस भी पड़ी है जिससे उनकी तुगलकी प्लानिंग और भी फनी बन जाती है। फैंस ट्रेलर देखकर काफी उत्साहित हैं। कपिल ने भी ट्रेलर शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा है- 4 पत्नियां...इसे अपने घर में ट्राई न करें...ये स्टंट हमारे एक्सपर्ट ने परफॉर्म किया है।

फिल्म की स्टारकास्ट और मेकर्स

-इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर फेमस कॉमेडियन कपिल शर्मा नजर आएंगे। वहीं उनके साथ फिल्म में त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी और आयशा खान दिखाई देंगी। तीनों एक्ट्रेसेस ने ट्रेलर में अपने किरदारों से खास प्रभावित किया है। खासकर त्रिधा चौधरी का ग्लैमरस अंदाज फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

-फिल्म के डायरेक्टर अनुकल्प गोस्वामी हैं जबकि इसे रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का एक खास पहलू ये भी है कि इसमें दिवंगत एक्टर असरानी नजर आए हैं। इस साल अक्टूबर में उनके निधन के बाद उन्हें स्क्रीन पर देखकर उनके फैंस भावुक हो गए।

-कपिल शर्मा ने टीवी पर 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' जैसे लोकप्रिय शोज से एक अलग पहचान बनाई है। फिल्मों में भी उनका कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब पसंद आता है और 'किस किस को प्यार करूं 2' इसका नया उदाहरण बनने के लिए तैयार है।

क्या गौतम गंभीर देंगे पद से इस्तीफा? गुवाहाटी में हारते ही सामने आकर किया बड़ा ऐलान

(जीएनएस)।

कोलकाता और गुवाहाटी टेस्ट में दो लगातार हार के साथ भारतीय टीम को घर में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। इस बीच हार के बाद मुख्य रूप से गौतम गंभीर को निशाना बनाया जा रहा है। गौतम गंभीर को कोचिंग से हटाने की मांग हो रही है। कोच ने अपने इस्तीफे को लेकर खुद बयान दिया है।

गौतम गंभीर ने खुद से इस्तीफा देने या नहीं देने को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कुछ ऐसा कहा है,

जिससे अब मामला बीसीसीआई के पास चला गया है। ऐसा लग रहा है कि वह भारतीय टीम के लिए आगे काम करना जारी रखना चाहते हैं।

भारतीय कोच ने कहा कि मेरा भविष्य तय करना बीसीसीआई पर निर्भर है। लेकिन, मैं वही आदमी हूं जिसने इंग्लैंड में आपको नतीजे दिलाए और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कोच था। दोष हर किसी का है और शुरूआत मुझसे होती है।

हमें बेहतर खेलना होगा। 95/1 से 122/7 तक पहुँच जाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। किसी एक खिलाड़ी या किसी एक शॉट को दोष नहीं देना चाहिए। दोष हम सभी पर है। मैंने कभी किसी एक खिलाड़ी को दोष नहीं दिया और आगे भी नहीं दूँगा।

भारतीय हेड कोच ने नए प्लेयर्स का बचाव करते हुए कहा कि टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए सबसे शानदार और टैलेंटेड खिलाड़ी की जरूरत नहीं होती। हमें ऐसे मजबूत व्यक्तित्व वाले खिलाड़ी चाहिए जिनकी स्किल्स सीमित हों। यही अच्छे टेस्ट क्रिकेटर बनाते हैं।

इस हार के साथ ही गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत का खराब टेस्ट आंकड़ा शामिल हो गया है। टीम इंडिया ने गौतम गंभीर की कोचिंग में कुल 18 मुकाबले खेले हैं और 10 में हार मिली है। 25 साल बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत में आकर क्लीन स्वीप करने का कारनामा किया है, यह टीम इंडिया के लिए काफी शर्मनाक बात है।

चेतेश्वर पुजारा के घर पर पसरा मातम, परिवार के अहम सदस्य की दुखद मौत, कौन था शख्स और किस वजह से हुआ निधन

(जीएनएस)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के ससुराल से एक बड़ी खबर सामने आई है। उनके साले ने आत्महत्या कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार पुजारा के साले जीत रसिकभाई पाबरी के ऊपर उसकी मंगेतर ने यौन शोषण के आरोप जड़े थे, इसके बाद उन्होंने खुदकुशी कर ली।

मंगेतर ने जीत के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगेतर ने कहा कि जीत ने शादी का वादा करके जबरन फिजिकल रिलेशन बनाए थे। सगाई होने के बाद जीत ने फिजिकल

रिलेशन बनाए थे और बाद में शादी करने के वादे से मुकरते हुए सगाई तोड़ दी।

पुजारा के ससुराल वाले कॉटन जिनिंग फैक्टी का बिजनेस करते हैं और पिछले 20 सालों से राजकोट में ही रहते हैं। चेतेश्वर पुजारा की पत्नी का नाम पूजा है और उन्होंने मास्टर्स डिग्री प्राप्त की हैं। पुजारा से शादी करने से पहले वह जॉब भी किया करती थीं। पुजारा के घर में छोटा भाई और बहन भी हैं। पुजारा के सुसराल वाले जमजोधपुर के रहने वाले हैं, बाद में राजकोट शिफ्ट हो गए थे।

खबरों के अनुसार, जीत लंबे समय से मानसिक तनाव और डिप्रेशन से गुजर रहे थे। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसे कई बार चेतेश्वर पुजारा का नाम लेकर धमकाया गया। मालवीय नगर थाने में लड़की ने जीत की शिकायत दर्ज कराई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इंटरनेशनल आईडीईए की अध्यक्षता संभालेंगे

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार वर्ष 2026 के लिए अतंरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (अंतरराष्ट्रीय आईडीईए) का अध्यक्ष पद संभालेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त 3 दिसंबर, 2025 को स्वीडन के स्टॉकहोम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आईडीईए सदस्य देशों के आयोजित बैठक में परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे। वे अध्यक्ष के रूप में वर्ष 2026 के दौरान परिषद की सभी बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

इंटरनेशनल आईडीईए की स्थापना 1995 में की गई थी - यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जो दुनियाभर में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में 35 देशों की सदस्यता और संयुक्त राज्य अमेरिका व जापान के पर्यवेक्षकों के साथ यह संगठन समावेशी, लचीले और जवाबदेह लोकतंत्र को बनाने में मदद करता है (सदस्य देशों की सूची अनुलग्नक में दी गई है)।

यह अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है - यह भारतीय चुनाव आयोग को दुनिया के सबसे विश्वसनीय और नवोन्मेषी चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) में से एक के रूप में वैश्विक मान्यता प्रदान करती है। आईआईडीईए के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने संगठन के शासन, लोकतांत्रिक संवाद और संस्थागत पहलों में निरंतर योगदान दिया है।

श्री ज्ञानेश कुमार अध्यक्ष के रूप में आईआईडीईए के वैश्विक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुनिया के सबसे बड़े चुनावों के संचालन में देश के बेजोड़ अनुभव का लाभ प्रदान करेंगे। यह सहयोग ज्ञान-साझाकरण को मजबूत करेगा। ईएमबीएस के बीच पेशेवर नेटवर्क को मजबूत करेगा और साक्ष्य-आधारित वैश्विक चुनावी सुधारों को समर्थन देगा।

राजधानी लखनऊ में फिर से रेप कि घटना को अंजाम दिया गया, ऑफिस का डीवीआर और नकदी भी उठा ले गए अपराधी

(जीएनएस)।

लखनऊ। अपराधियों ने खुद को मीडिया कर्मी बता कर घटना को अंजाम दिया है, मुख्य सरगना रूबी अवस्थी ने आधा दर्जन लड़कों के साथ पहुंच कर घटना को अंजाम दिया है। महिला को पहले मारा पीटा गया, और बोला गया कि नीचे पुलिस है, हम लोग पूरा ऑफिस चेक करने आए हैं। पीड़ित के मुताबिक पहले मारा गया, फिर पूरा ऑफिस चेक किया

गया, और कुछ नकदी भी लूट लिया गया, इतने में मन नहीं माना तो जबरन महिला के साथ दुष्कर्म किया गया। रूबी अवस्थी मूल रूप से गोंडा जिले कि रहने वाली है, और उसने एक यूट्यूब चैनल भी बना रखी है, जिसका नाम यूपी एक्सप्रेस 24 रखा है। पीड़ित ने पूरे मामले कि लिखित शिकायत गोमतीनगर थाने में किया है, अब देखना है, कि पीड़ित को न्याय अब मिलता है।

गन्ना घटतौली और उतरवाई के नाम पर अवैध वसूली को लेकर दिया ज्ञापन

(जीएनएस)।

लखनऊ। जनपद हरदोई की चीनी मिल लोनी गेट पर भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिला अध्यक्ष सत्यवीर सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने किसानों की समस्याओं को लेकर 7 सूत्रीय ज्ञापन दिया जिसमें प्रमुख समस्याएं किसानों का गाना₹500 में लिया जाए नहीं तो निशुल्क में मैली दी जाए गन्ना सेंटरों पर हो रही हाइड्रा मशीन संचालक के द्वारा₹100 की वसूली बंद की जाए किसानों को ट्राईकोडरमा और जिंक निशुल्क वितरण की जाए लोनी गेट पर पहले जैसी ही तौल जारी की जाए क्योंकि वर्तमान में भजन कम करके तौल की जाती है गन्ना सीडीओ अनुज तोमर ने अपने सर्किल में प्राइवेट

दलालों को उतरवाई के नाम पर पैसा वसूलने के लिए लगाया है गन्ना सीडीओ के खिलाफ करवाई करके अवैध वसूली बंद की जाए ऐसी विभिन्न मांगों को लेकर प्रवीण सिंह को ज्ञापन दिया गया इस समय मौजूद कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष सत्यवीर सिंह, जिला अध्यक्ष पश्चिम अनुराग यादव, ब्लॉक अध्यक्ष शाहाबाद अतुल कुमार, मंडल मीडिया प्रभारी अमीन खान, मंडल उपाध्यक्ष तौकीर अली, तहसील अध्यक्ष शाहाबाद यासीन, अवनीश, रोबिन आदि ऐसे कई किसान और कार्यकर्ता मौजूद रहे

नवागत सीएचसी अधीक्षक बड़ागांव ने ग्राम पंचायत बड़ागांव मे चल रहे टिकाकरण अभियान का लिया जायजा

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। बुधवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी एव नवागत सीएचसी अधीक्षक बड़ागांव ने ग्राम पंचायत बड़ागांव मे चल रहे टिकाकरण अभियान का जायजा लिया तथा पंचायत भवन मे संचालित लाइब्रेरी का जायजा लिया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा, सीएचसी अधीक्षक डा0 राधेश्याम गौड़, नवागत सीडीपीओ पारुल शुक्ला ने बुधवार को ग्राम पंचायत बड़ागांव मे संचालित सभी प्राथमिक विद्यालय, आगनबाड़ी केंद्रो एव पंचायत भवन मे संचालित लाइब्रेरी का जायजा लिया तथा टीकाकरण कार्य का जायजा लिया उन्होंने टीकाकरण कर्मियों से भी बातचीत की और उन्हें टीकाकरण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि टीकाकरण से ही कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

उन्होंने टीकाकरण कार्यक्रम को और भी प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। पंचायत भवन मे संचालित लाइब्रेरी मे पढ़ रहे बच्चो से कर रहे तैयारियों की जानकारी लेते हुए उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी आई एस बी मदन गोपाल कनौजिया, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, ग्राम पंचायत अधिकारी जैसराम, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी आशाराम चौधरी, अखिलेश पटेल, पंचायत सहायक सैय्यदा बानो आदि लोग मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन में भव्य समारोह

(जीएनएस)।

इलाहाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर आज इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएश न की ओर से एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडे ह्यबबुआह्ल ने की तथा संचालन महासचिव अखिलेश शर्मा द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के.के. द्विवेदी, बार एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी एवं बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने संविधान की महत्ता, न्यायपालिका की जिम्मेदारियों और अधिवक्ताओं की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अध्यक्ष राकेश पांडे ह्यबबुआह्ल का प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक संबोधन रहा, जिसमें उन्होंने संविधान के मूल्यों को जीवन और न्यायिक प्रक्रिया में उतारने की आवश्यकता पर बल दिया।

संविधान दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम अधिवक्ताओं के बीच उत्साह और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को और अधिक सशक्त बनाकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सेहरामऊ उत्तरी: ककरौआ गांव में गन्ने के खेत में आगजनी, अशोक सिंह व पुत्र अंकित पर केस

(जीएनएस)।

पीलीभीत के सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के ककरौआ गांव में आगजनी का सनसनीखेज मामला। सोमवार शाम 7 बजे गांव के अशोक सिंह (पुत्र श्रीपाल सिंह) ने नहर किनारे धीरेन्द्र प्रताप सिंह के गन्ने के खेत में आग लगा दी। पूरी फसल जलकर नष्ट, लाखों का नुकसान। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, हंगामा। धीरेन्द्र शिकायत करने अशोक के घर गए तो पिता-पुत्र लाठी-डंडे लहराते बाहर आए, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। तहरीर पर पुलिस ने क्ढउ 436, 323, 504 व

506 में मुकदमा दर्ज। आरोपी फरार, तलाश तेज। किसानों में डर, "खेतों पर हमला? न्याय दो।"

धीरेन्द्र ने बताया, "नहर विवाद था, लेकिन आगजनी? फसल बर्बाद, परिवार पर बोझ। वीडियो ने सब उजागर किया।"

थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह बोले, "तहरीर सही, मुकदमा दर्ज। वीडियो जांच में, आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे । आगजनी पर सख्ती।" एसपी अभिषेक यादव ने निर्देश झ्र "किसान सुरक्षा, विवाद सुलझाओ।" "अपराधी बचेंगे नहीं।"

रफी मेमोरियल इंटर कालेज मसौली में आयोजित एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता

(जीएनएस)।

मसौली, बाराबंकी। परिषदीय विद्यालयों की एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रफी मेमोरियल इंटर कालेज मसौली में आयोजित किये गये। विशिष्ट अतिथि खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव व खण्ड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से शुभारम्भ किया।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय ने मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय ज्योरी के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुति दी।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय ने बच्चों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में भी अदभुत प्रतिभाएं है।सिर्फ शिक्षकों के द्वारा उनको तराशने की जरूरत है।खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बच्चों से कहा कि शिक्षा के साथ ही शरीर को स्वास्थ्य रखने के लिए खेलकूद भी आवश्यक है। खण्ड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी विजयी बच्चों को शुभकामनाएं देकर कहा कि

खेल में कोई जीत हार नही होती है, खेल में प्रतिभाग करना ही बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। आप सभी लोग राज्य स्तर तक पहुँचे और अपने माता पिता व विद्यालय का नाम रोशन करें। प्राथमिक स्तर बालिका 100 मीटर दौड़ में कंपोजिट स्कूल रायपुर की महेक प्रथम, प्राथमिक विद्यालय मेंढिया की रोहनी द्वितीय,चंदनपुर की सौम्या तृतीय एवं बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय मेंढिया के सौर्य प्रताप प्रथम, सदरुद्दीनपुर के सूफियान द्वितीय, हिमांशू तृतीय रहे। प्राथमिक की 50 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय मेंढिया के सौर्य

प्रातप प्रथम,कोटवा के हिमांशू द्वितीय, कंपोजिट रायपुर के शुभ तृतीय एवं बालिका वर्ग 50 मीटर की दौड़ में कम्पोजिट स्कूल रायपुर की महेक प्रथम, मेंढिया की जोया बानो द्वितीय व रोहिनी तृतीय रही। उच्च प्राथमिक विद्यालय की 100 मीटर दौड़ में यूपीएस दादरा के मो जैद प्रथम, कम्पोजिट रायपुर के अभिषेक द्वितीय, यूपीएस अमदहा के असलम तृतीय स्थान पर रहे। उच्च प्राथमिक विद्यालय बालिका की 100 मीटर दौड़ में यूपीएस टेरासानी की संजना प्रथम, चंदनपुर की अंशिका द्वितीय, रायपुर की नैनसी वर्मा तृतीय रही। प्राथमिक बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में कम्पोजिट स्कूल ज्योरी के विपिन प्रथम व कोटवा के हिमांशू द्वितीय रहें। प्राथमिक बालिका वर्ग 200 मीटर दौड़ में कम्पोजिट स्कूल रायपुर की महेक प्रथम व चंदनपुर की सौम्या द्वितीय रही।यूपीएस बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में यूपीएस दादरा के मो जैद प्रथम व बालिका वर्ग में यूपीएस चंदनपुर की आंशिका ने द्वितीय स्थान हासिल किया। यूपीएस बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में करपिया के मनोज प्रथम व बालिका वर्ग की 400 मीटर में यूपीएस टेरासानी की संजना ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस मौके पर रफी मेमोरियल इंटर कालेज प्रधानाचार्य विजय बहादुर, एआरपी राजेश यादव, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक बलराज वर्मा, सुरेश चंद्र, विश्वनाथ वर्मा,अतीकुर्रहमान, प्रदीप श्रीवास्तव, जमाल अहमद, अतुल कुमार श्रीवास्तव, राम किशुन बौद्ध, गरिमा, अमित वर्मा, अनिल वर्मा, देवेंद्र कुमार, अनुदेशक सुशील वर्मा, शिखासिंह, दिव्या पांडेय, हरिश्चंद्र वर्मा सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

एएसपी ने थाना जहानाबाद का अचानक वार्षिक निरीक्षण किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 26 नवंबर जिले में थाना प्रबंधन को मजबूत करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक (ASP) ने थाना जहानाबाद का अचानक वार्षिक निरीक्षण किया। अरढ ने थाने पहुंचकर सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया, जिसमें थाना कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, शस्त्रागार, सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम), महिला हेल्पडेस्क, साइबर सेल व हवालात जैसे प्रमुख सेक्शन शामिल। निरीक्षण के दौरान रजिस्टर चेक किए, स्टाफ से बात की व कमियों पर सुधार के निर्देश दिए।

अरढ ने कहा, "थाने की कार्यप्रणाली पारदर्शी हो, सीसीटीएनएस अपडेट रहे। महिला

हेल्पडेस्क सक्रिय, साइबर अपराधों पर नजर।" प्रभारी ने बताया, "सभी सेक्शन क्रम में, लेकिन रिकॉर्ड डिजिटलाइजेशन तेज करेंगे।" एसपी अभिषेक यादव ने सराहा झ्र "नियमित निरीक्षण से दक्षता बढ़ेगी।" जिले के अन्य थानों में भी ऐसे चेकिंग की जाएगी ।

रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत नजदीक? प्रस्तावित शांति समझौते पर जेलेंस्की ने क्या कहा?

(जीएनएस)।

यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की उम्मीदें बढ़ गई हैं, क्योंकि यूक्रेन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित शांति समझौते की रूपरेखा पर सहमति दे दी है। यह सहमति अबू धाबी में अमेरिकी सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल और रूसी प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता के बाद आई है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की है कि 'कुछ छोटी-मोटी बातों' को छोड़कर यूक्रेन समझौते पर सहमत हो गया है।

हालांकि, राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने स्वीकार किया है कि जिनेवा वार्ता से ठोस परिणाम मिले हैं, लेकिन कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं, जिससे अंतिम घोषणा में समय लग सकता है। यूक्रेन अब इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए यूरोपीय सहयोगियों के समर्थन का इंतजार कर रहा है।

प्रस्तावित समझौते की रूपरेखा पर यूक्रेन की सहमति

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने मंगलवार को जानकारी दी कि यूक्रेन ने रूस के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए प्रस्तावित अमेरिकी समझौते की मूल रूपरेखा पर अपनी सहमति व्यक्त कर दी है। यह महत्वपूर्ण घटनाक्रम अमेरिकी सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल और रूसी प्रतिनिधियों के बीच अबू धाबी में हुई उच्च-स्तरीय बातचीत के दौरान सामने आया। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि, यूक्रेनियन शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं। कुछ छोटी-मोटी बातें अभी सुलझाई जानी बाकी हैं, लेकिन वे सैद्धांतिक रूप से शांति समझौते पर सहमत हैं। यह बयान संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा

कदम माना जा रहा है।

रुस्तम उमरोव ने जताई आशा

यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिव रुस्तम उमरोव ने 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर अपने बयान में शांति वार्ता की प्रगति पर आशा व्यक्त की। उन्होंने जिनेवा में यूक्रेनी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बैठकों को 'उत्पादक और रचनात्मक' बताया और राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों की सराहना की। उमरोव ने पुष्टि की कि दोनों पक्ष जिनेवा में चर्चा किए गए समझौते की मुख्य शर्तों पर 'एक आम सहमति' पर पहुंच गए हैं। अब कीव इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए यूरोपीय सहयोगियों से समर्थन चाहता है और अंतिम कदम पूरे करने के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा की व्यवस्था करने की उम्मीद कर रहा है।

जेलेंस्की बोले: 'कई मुद्दे अनसुलझे'

जहां अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों ने समझौते पर सहमति की बात कही है, वहीं राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अधिक सावधानी बरती है। उन्होंने स्वीकार किया कि जिनेवा वार्ता से 'ठोस परिणाम' मिले हैं, लेकिन साथ ही जोर देकर कहा कि अभी भी 'बहुत काम बाकी है'। उनका यह बयान संकेत देता है कि यूक्रेन अभी भी वार्ता को पूरी तरह से अंतिम घोषित करने के लिए तैयार नहीं है। राष्ट्रपति जेलेंस्की का मानना है कि कई प्रमुख और संवेदनशील मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं, जिन पर अंतिम निर्णय लेने से पहले गहन चर्चा और कूटनीति की आवश्यकता है।

रूस की पुरानी मांगें समझौते में शामिल

अमेरिका द्वारा तैयार की गई मूल शांति योजना में कई ऐसी मांगें शामिल हैं जिन्हें यूक्रेन पहले अस्वीकार कर चुका था, लेकिन अब उन्हें समझौते की रूपरेखा में जगह मिली है। इन मांगों में यूक्रेन द्वारा अपनी सशस्त्र सेनाओं के आकार को सीमित करना, नाटो (NATO) में शामिल होने के प्रयासों को छोड़ देना और कुछ क्षेत्रों को रूस को सौंपने की सहमति देना शामिल है। इन मांगों में डोनबास क्षेत्र के प्रमुख हिस्से भी शामिल हैं, जिन पर रूस ने कब्जे का ऐलान किया है। ये मांगें राष्ट्रपति पुतिन की लंबे समय से चली आ रही अधिकतम रियायतें हासिल करने की रणनीति को दशार्ती हैं।

सिद्धरमैया या डीके शिवकुमार, कौन होगा कर्नाटक का सीएम? मल्लिकार्जुन का आया बड़ा बयान

(जीएनएस)।

कर्नाटक में पिछले कुछ समय से सिद्धारमैया सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। मुख्यमंत्री पद को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच खींचतान जारी है। सीएम पद को लेकर कर्नाटक कांग्रेस दो खेमों में बंट गई है। डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली तक अपना पक्ष रखने पहुंचे थे, जबकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पद छोड़ने को तैयार नहीं दिख रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि मई 2023 में दोनों नेताओं के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने पर एक कथित समझौता हुआ था, हालांकि इस पर सार्वजनिक रूप से कभी कोई बात नहीं की गई। समझौते के अनुसार सिद्धारमैया को ढाई साल बाद पद छोड़ना था। अब शिवकुमार खेमा आरोप लगा रहा है कि मुख्यमंत्री अपने वादे से मुकर रहे हैं।

हालांकि लंबे समय से सीएम पद को लेकर चल रही खींचतान अब जल्द खत्म होने की संभावना नजर आने लगी है। सिद्धरमैया या डीके शिवकुमार, कौन होगा कर्नाटक का सीएम? इस सवालों के बीच कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़ा बयान दिया है।

क्या बोले मल्लिकार्जुन खड़गे?

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्पष्ट किया है कि इस मुद्दे पर वे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी मिलकर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि "हम इस मामले को

सुलझा लेंगे।" न्यूज 18 को दिए इंटरव्यू में खड़गे ने कहा "वहां के लोग ही बता सकते हैं कि सरकार क्या कर रही है।" उन्होंने आगे कहा, "हम ऐसे मुद्दों को हल करेंगे। हाईकमान, राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मैं बैठकर इस पर विचार करेंगे और हम जरूरी दखल देंगे। वहीं वहीं, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भी कहा है कि हाईकमान का जो भी फैसला होगा, वे उसे स्वीकार करेंगे।

दिल्ली में होगा फैसला

इसके बाद माना जा रहा है कि ऐसी भी संभावना है कि दोनों नेताओं को विचार-विमर्श के लिए दिल्ली बुलाया जा सकता है। खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगले एक या दो दिनों में मुलाकात संभव है, लेकिन पार्टी ने इस पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, सिद्धारमैया और शिवकुमार को 28 या 29 नवंबर को दिल्ली तलब किया जा सकता है।